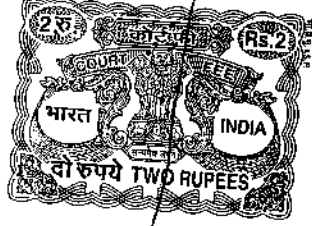
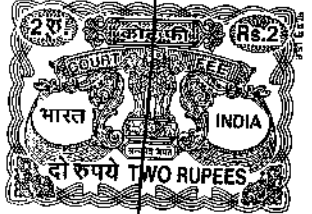


R3-257-

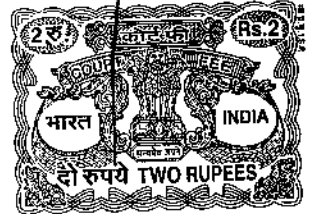
नगरा नी प्रकरण क्रमांक -----



1- फुलधुआ देवा पत्नी स्व० बैजनाथ नाई उम्र 45 साल ताकिन अधियारबोह तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५०



2- परेमिया नाई पत्नी हेमराज नाई पुत्री बैजनाथ नाई निवाती ग्राम बंजारी तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५०



3- लल्लु सेन पत्नी रामबेलाबन सेन पुत्री बैजनाथ सेन उम्र 40 साल ताकिन कुडिया तहसील रामपुरनैकिन जिला लोधी म०५०

4- गोता पत्नी जयलाल सेन पुत्री बैजनाथ सेन ताकिन नौडिया तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५०

5- सुरेश सेन पिता बैजनाथ सेन निवाती ग्राम अधियारबोह तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५०

निगरा नी कर्तागण

बनाम,

1- श्रीमोहन लक्ष्मण रामेश्वर कोरी निवाती ग्राम अधियारबोह तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५० उम्र 60 साल ----- उत्तरबादी/अपी०

2- सु० शकुन्तादेवी देवा पत्नी दल प्रताप सिंह उम्र 50 साल ताकिन अधियारबोह तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५०

3- जीतेन्द्र सिंह लक्ष्मण दल प्रताप सिंह चौहान उम्र 25 साल ताकिन अधियारबोह तहसील गोपदबनात जिला लोधी म०५० ----- अनावेदक/उत्तरबादी

श्री. श्रीम. प्रकाश पाण्डेय
द्वारा आज दिनांक 28.12.15 को प्रस्तुत किया गया।

सिडर
मर्किट कोर्ट रीका

निगरा नी विरुद्ध आदेश न्यायालय श्रीमान् अपर कले महोदय लोधी जिला लोधी म०५० द्वारा प्रकरण क्रमांक 421/निगरा नी/ 2011-12 में पारित आदेश दिनांक 28.12.15,

निगरा नी अन्तर्गत धारा 50 म०५०म् रा००१० 195

मा न्यवर,

आवेदकगणों को औरसे निम्नांकित निगरा नी प्रस्तुत है :-

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निग0 5023-दो/16

जिला -सीधी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
29.6.16	<p>आवेदकगण के अधिवक्ता श्री ओमप्रकाश पाण्डेय उपस्थित होकर अपर कलेक्टर सीधी के प्रकरण क्रमांक 421/निगरानी/2011-12 में पारित आदेश दिनांक 28.12.15 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत इस न्यायालय में प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- प्रकरण संक्षिप्त तथ्य यह है कि निगरानीकर्ता भीमसेन तनय रामेश्वर कोरी निवासी ग्राम अधियारखोह तहसील गोपदबनास जिला सीधी द्वारा नायब तहसीलदार गिर्द-2 तहसील गोपदबनास केस प्रकरण क्रमांक 12/अ-5/84-85 में पारित आदेश दिनांक 28.9.84 व न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी गोपदबनास के प्रकरण क्रमांक 97/अपील/09-10 पारित आदेश दिनांक 13.7.11 द्वारा निगरानी स्वीकार की जिससे दुखित होकर यह निगरानी अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा के न्यायालय में प्रस्तुत की जो आदेश दिनांक 28.12.15 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>3- आवेदक अधिवक्ता का तर्क है कि आवेदिका क्रमांक-1 के पति एवं अन्य आवेदिकागणों के पिता स्व0 बैजनाथ नाई के स्वत्व की भूमि सर्वे न0 26/3 के नक्शा तर्मीम के आदेश दिनांक 29.8.84 को चुनौती</p>	

क्रमशः

//2// निग0 5043-दो/16

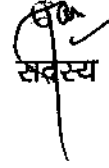
देते हुये अनावेक क्रमांक 1 भीमसेने ने विद्वान अनुविभागीय अधिकारी गोपदबनास की न्यायालय से लगभग 25 वर्ष पश्चात अपील प्रस्तुत किया और अपील के साथ धारा-5 का आवेदन भी प्रस्तुत किया। उनके द्वारा यह भी तर्क प्रस्तुत किया कि अनुविभागीय अधिकारी गोपदबनास ने दिनांक 13.7.11 को यह आदेश पारित किया कि इस आदेश के विरुद्ध अपील प्रचलन योग्य नहीं है और अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश दिनांक 13.7.11 के विरुद्ध निगरानी प्रस्तुत की गई।

4- आवेदक अधिवक्ता के तर्क मेरे द्वारा श्रवण किये गये, उनके द्वारा उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो निगरानी में उल्लेख किया गया है। मेरे द्वारा प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों का अवलोकन किया।

5- अनुविभागीय अधिकारी ने दिनांक 13.7.11 को अपील इस आधार पर निरस्त की गयी है कि नक्शा तर्मीम आदेश के विरुद्ध निगरानी का प्रावधान है, जिससे निगरानीकर्ता द्वारा इस न्यायालय द्वारा मूल प्रकरण की मांग किये जाने पर नायब तहसीलदार गिर्द-2 गोपदबनास द्वारा पत्र दिनांक 11.12.15 द्वारा अवगतकराया गया है कि दायरा पंजी 1984-85 में प्रकरण क्रमांक 12/अ-5/ दर्ज होना नहीं पाया जाता है। न्यायालय द्वारा उभयपक्षों को दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर एवं समय दिया गया। लेकिन उनके द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये। उपरोक्त प्रकरण का सही वर्ष क्या है। इन तथ्यों से स्पष्ट है कि तथा कथित प्रकरण क्रमांक फर्जी प्रकरण क्रमांक है जो दायरा पंजी में दर्ज ही नहीं है, जिसके आधार पर कराई गई नक्शा तर्मीम की कार्यवाही फर्जी है।

//3// निग0 5043-दो/16

6- उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त रीवा के आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। अपर आयुक्त का आदेश स्थिर रखा जाता है। प्रस्तुत आवेदक की निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। उभयपक्ष सूचित हो। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख आदेश की प्रति के साथ वापस किया जावे। राजस्व मण्डल का प्रकरण संचय हेतु अभिलेखागार में भेजा जावे।


सदस्य

